

बिहार में वज्रपात का बढ़ता प्रकोप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि प्राकृतिक आपदाओं में वज्रपात सबसे ज़्यादा घातक होता जा रहा है, जिसके चलते पछिले 6 वर्षों में लगभग 2000 लोगों की जान जा चुकी है।

प्रमुख बदि

- वज्रपात के लहिज से जमुई, भागलपुर, पूर्णिया, बाँका, औरंगाबाद, गया, कटहिर, पटना, नवादा और रोहतास जलि सबसे ज़्यादा संवेदनशील हैं।
- हालाँकि, इस बार तीन ज़िलों- पटना, गया और औरंगाबाद को ज़्यादा सतरक कयिा गया है।
- प्राधिकरण के अनुसार राज्य में वज्रपात और इससे होने वाली मौतों के लयि राज्य का भूगोल ज़मिमेदार है, अर्थात् बिहार की जलवायु मानसूनी होने के कारण यह गर्मी और नमी के हसिाब से अतसिंवेदनशील है, जसि कारण राज्य में तीवर गर्जन और तेज वर्षा के साथ वज्रपात की घटनाएँ होती हैं।
- वज्रपात से बचाव के लयि राज्य सरकार द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही इंद्रवज्र नामक एक ऐप भी लॉन्च कयिा गया है, जो वज्रपात से लगभग 40 मनिट पहले लोगों को अलार्म टोन एवं संदेश के जरयि सतरक करता है।